राष्ट्रीय सहारा (Rastriya Sahara)

दिनांक (Dated): 06/03/2022 | पृष्ठ सं0 (Page No). 02 | क्रम सं0(Serial No.)

भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहे CISF : शाह

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

गाजियाबाद।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में देश के अन्य अर्धसैनिक बलों की अपेक्षा बेशक महिलाओं का प्रतिशत अधिक है, मगर यह फिर भी मात्र छह प्रतिशत ही है। बल में पुरुष महिलाओं की भागीदारी के मौजूदा अनुपात 94:6 को बढ़ाकर कम से कम 80:20 किया जाना चाहिए। सीआईएसएफ को ड्रोन व साइबर हमलों के खतरों के मद्देनजर अपने सिस्टम को और अधिक डेवलप करना होगा। यह बात रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीआईएसफ के स्थापना दिवस समारोह को संबोधन के दौरान कही।

उन्होंने सीआईएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह से कहा कि सीआईएसएफ को भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर पांच व 25 वर्ष के रोड मैप तैयार करने चाहिए। यूं तो आजादी के 75 बरस किसी भी देश के लिए उपलब्धियों को गिनाने का समय होता है। 25 वर्ष बाद जब देश की आजादी के सौ साल पूरे होंगे तब हमारी चुनौतियों व उपलब्धियों का आलम क्या होगा इसे ध्यान में रखकर तैयारी होनी चाहिए।

उन्होंने यूक्रेन में फंसे भारतीयों की वापसी के लिए चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन गंगा में सीआईएसएफ के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने सीआईएसएफ के स्थापना दिवस को देश के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण दिन करार देते हुए कहा कि देश में ढाई ट्रिलियन डॉलर के उत्पादन की औद्योगिक विकास यात्रा सीआईएसएफ की सहयोग से ही हो सकी। उन्होंने सीआईएसएफ को बहुकुशल और बहुदक्षता वाला बहुआयामी बल बताते हुए कहा कि औद्योगिक सुरक्षा व उत्पादन इसके बिना संभव नहीं है। सीआईएसएफ को अपनी बढ़ती जिम्मेदारियों के मद्देनजर निजी औद्योगिक संस्थानों की सुरक्षा में लगे निजी सुरक्षाकर्मियों को भी प्रशिक्षण देकर अपने जवानों जैसा बनाना होगा। उनकी दक्षता बढ़ाकर औद्योगिक सुरक्षा में लगी एजेंसियों का हाईब्रिड माडल खड़ा किया जाए। केंद्रीय गृह मंत्री ने सीआईएसएफ की वार्षिक स्मारिका का विमोचन किया।

सीआईएसएफ के स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। साथ हैं सीआईएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह (बाएं) और परेड की सलामी लेते गृह मंत्री अमित शाह। फोटो : सुभाष पॉल

अमित शाह बोले, सीआईएसएफ में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 20 प्रतिशत की जाए

सीआईएसएफ के महानिदेशक ने बल की उपलब्धियों व क्षमताओं पर डाला प्रकाश

गृह मंत्री ने कोरोनाकाल में सीआईएसएफ जवानों के योगदान को अविस्मरणीय बता विभिन्न अवसरों पर कर्तव्य की बलिवेदी पर शहीद होने वाले जवानों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इससे पहले सीआईएसफ के 53वें स्थापना दिवस समारोह के आरंभ में गृह मंत्री को जनरल सेल्यूट से सलामी दी गई। इस मौके पर सीआईएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह उनके साथ थे। इसके बाद गृह मंत्री ने परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने परेड की सलामी ली और जवानों के करतब देखे। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर केके भारद्वाज ने किया। सीआईएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह ने स्वागत भाषण में सीआईएसफ की उपलब्धियों और क्षमताओं का विस्तार से परिचय दिया। विभिन्न अवसरों पर शहीद हुए सीआईएसफ के जवानों व अफसरों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। समारोह का आयोजन इंदिरापुरम स्थित सीआईएसफ पांचवीं रिजर्व बटालियन मुख्यालय पर किया गया। इस दौरान सीआईएसएफ जवानों को विभिन्न उपलब्धियों और बल के जवानों द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्राप्त किए गए पदकों का ब्योरा भी दिया गया। बल के महानिदेशक ने बताया कि 1000 एएसआई 6 वर्ष का सेवाकाल पूर्ण करने पर एसआई बनाए गए हैं। इस मौके पर बल के जवानों व अधिकारियों को वीरता और अदम्य साहस के प्रदर्शन के लिए वीरता के पुलिस पदक, जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक देकर भी बल के कई जवान सम्मानित किए गए।